भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2069

11 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए

हरियाणा में स्मार्ट सिटी मिशन

†2069. कुमारी सैलजाः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हरियाणा में स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के तहत विकास कार्यों की वर्तमान प्रगति और इनके पूरा होने की समय-सीमा क्या है;

(ख) क्या राज्य में स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए 980 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई थी और इसका उपयोग किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) से (ग) स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के तहत, हरियाणा राज्य में दो शहरों, अर्थात फरीदाबाद और करनाल का चयन किया गया। राज्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 01.12.2025 तक, 2,136 करोड़ रुपए की कुल 161 परियोजनाओं में से, 1,559 करोड़ रुपए की 139 परियोजनाएँ (कुल परियोजनाओं का 86%) पूरी हो चुकी हैं और 577 करोड़ रुपए की शेष 22 परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

01.12.2025 तक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, दोनों शहरों ने 980 करोड़ रुपए (अर्थात प्रत्येक शहर के लिए 490 करोड़ रुपए) की पूर्ण केन्द्रीय वित्तीय सहायता का दावा किया है, जिसमें से 921.50 करोड़ रुपए का उपयोग किया जा चुका है।

हरियाणा राज्य में दावा की गई केन्द्रीय वित्तीय सहायता, उपयोग की गई धनराशि और परियोजनाओं की स्थिति की शहर-वार जानकारी नीचे दी गई है:

(राशि करोड़ रुपये में)

राज्य/शहर	दावा की गई केन्द्रीय सहायता (करोड़ रुपये में)	उपयोग की गई केंद्रीय सहायता (करोड़ रुपये में)	कुल		पूर्ण		चालू	
			परियोजना (संख्या में)	राशि (करोड़ रुपये में)	परियोजना (संख्या में)	राशि (करोड़ रुपये में)	परियोजना (संख्या में)	राशि (करोड़ रुपये में)
फरीदाबाद	490	490.0	44	929.0	34	758.0	10	171.0
करनाल	490	431.5	117	1207.4	105	801.5	12	406.0
हरियाणा	**980**	**921.5**	**161**	**2136.4**	**139**	**1559.4**	**22**	**577.0**

1 दिसंबर, 2025 तक राज्यों/यूटी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार।

31 मार्च, 2025 को एससीएम के वित्तीय समापन के बाद, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को 10 जून, 2025 को परामर्शिका संख्या 27 जारी की गई है। चल रही परियोजनाएँ कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। विशेष प्रयोजन तंत्रों (एसपीवी) को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि एससीएम के तहत चल रही सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि अर्थात दिसंबर, 2025 तक तय समय से पूरा किया जाए।

*****